MT - 114

Seat No. | | | | | | | |

2013 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - V

Time : 3 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 80**

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **2**

1) पंडित परमसुख ने रामू की माँ से कहा कि मुँह न मोड़ो ----------

(अ) अपनी भोली बहू से ।

(ब) धार्मिक-क्रिया कर्म के लिए आवश्यक खर्चे से ।

(क) मिसरानी द्वारा दी हुई मौलिक सलाह से ।

2) पलाश का वैज्ञानिक नाम 'फ्रांडोसा' है क्योंकि ----------

(अ) उसके पत्ते तीन के समूह में होते हैं ।

(ब) उसके पत्ते काफी बड़े होते हैं ।

(क) यह पूरी तरह पत्तों से ढँका होता है ।

आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए : **3**

1) उस गरम हुए ..... को उनसे छुड़ा लें ।

2) शीतल, मंद, सुगंध ..... चल रही थी ।

3) अच्छे कर्मचारी की यही ..... है ।

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : **3**

1) धार्मिक पुरुषों ने सबसे पहले क्या आदेश दिया है ?

2) हिमालय का द्वार किसे कहते हैं ?

3) राजा फाँसी चढ़ने को क्यों तैयार हो गया ?

4) मुख्यमंत्री जी के पाँच मिनट किसकी प्रशंसा में निकल गए ?

5) प्रीति मोंगा के लिए हेलेन केलर आदर्श क्यों हैं ?

ई) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए : 2

1) ''हुजूर, भ्रष्टाचार से तो गृहस्थी चलती है ।''
2) ''हमारे सबब से तो दीवार गिरी ।''

उ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 - 70 शब्दों) में लिखिए : 9

1) विश्वविख्यात लेखक एच.जी. वेल्स ने एक अभिनेत्री के घमंड का सिर कैसे झुका दिया ?
2) मैनेजर ने कूर्मांचल की कौन-सी करुण लोककथा लोगों को सुनाई ?
3) गोवर्धनदास ने खुश होकर अंधेर नगरी में ही रहने का फैसला क्यों किया ?
4) 'सच्ची संपन्नता' किसे कह सकते हैं ?
5) किस परिस्थिति ने प्रीति को निष्क्रिय होने से बचा लिया ?

ऊ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : 3

गोवर्धनदास : अंधेर नगरी, चौपट राजा, टके सेर भाजी, टके सेर खाजा ।

महंत : तो बच्चा, ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा बिकता है । मैं तो इस नगर में अब एक क्षण भी नहीं रहूँगा ।

गोवर्धनदास : गुरुजी, मैं तो इस नगर को छोड़कर नहीं जाऊँगा और जगह दिन भर माँगो तो भी पेट नहीं भरता । मैं तो यहीं रहूँगा ।

1) 'टके सेर भाजी, टके सेर खाजा' - से क्या अर्थबोध होता है ?
2) महंत अंधेर नगरी में क्षणभर के लिए भी क्यों रहना नहीं चाहता था?
3) गोवर्धनदास अंधेर नगरी छोड़कर जाने को क्यों तैयार नहीं था ?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए : 3

1) प्यार तुझे करने वाले ही देखेंगे तुझको ..... कर ।
2) गुण ही जन - मन ....., ताज हो ।
3) बात इतनी है कि कोई ..... बना है ।

ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : 3

1) दान देने से क्या होता है ?
2) देश की माँग क्या है ?
3) घाट पर पूरी व्यवस्था किसके लिए है ?

ग) निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए : 3

''चलना है केवल चलना है, जीवन चलता ही रहता है ।
रुक जाना ही मर जाना है, निर्झर यह झरकर कहता है ।''

1) जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है ?
2) रुक जाना किसके समान है ?
3) गतिशीलता का प्रतीक कौन है ?

घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए : 3

अंधकार का गरूर आन - बान तोड़ दो,
बालको, भविष्य के लिए मिसाल छोड़ दो,
दो नई - नई दिशा वर्तमान काल को ।

ड़) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए : 6

1) ब्रज की नारियाँ यशोदा के लाल कृष्ण के किस व्यवहार से परेशान होती हैं ?
2) 'निर्झर में गति ही जीवन है' पंक्ति द्वारा कवि ने जीवन के सत्य को कैसे स्पष्ट किया है ?
3) कविता में अतिथि के आगमन पर जिन रीति - रिवाजों का चित्रण है, उसका सरल हिंदी में वर्णन कीजिए ?

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए : 8

1) चंदा माँगने वाले और देनेवाले लोग एक - दूसरे को किस तरह पहचान लेते हैं ?
2) लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ की क्या जानकारी दी गई है ?
3) तुलसी में कौन - कौन - से औषधीय गुण हैं ?
4) थिंफू का राज्य संचालन कैसे किया जाता है ?

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से किसी एक का सार लिखिए :

1) तुलसी का बिरवा
2) धनंजय और चारू-चिन्मय की बहादुरी का वर्णन

प्रश्न 4. च) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1

1) बीच 2) हाँ

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए : 1

1) वह बहुत छायादार वृक्ष है ।
2) वाह ! घोड़ा तेज दौड़ता है ।

ज) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए : **1**

1) बहुत से नेता आए । (पूर्ण वर्तमानकाल)

2) उसने रोते हुए कहा । (सामान्य भविष्यकाल)

झ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए : **1**

1) दोनों ने बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ा दिया ।

2) मुझे रोटी बनाना सिखाया गया ।

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) चाहना 2) करना

ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया के प्रथम तथा दूवितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए : **1**

1) धोना 2) रीझना

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1) उसने नौकरी से मैदान साफ कराया ।

2) पिताजी ने महेश से कहकर दीदी से पत्र लिखवाया ।

ठ) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : **2**

1) उसने अपनी बात ऊँचे आवाज में कहा ।

2) पलाश को मैदानों में बड़ी संख्या में देखा जा सकती है ।

3) मेरी कुछ कसूर नही है ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

1) किसी ने कहा जब कष्ट हो रहा था तो आप रुके क्यों नहीं

2) मैंने कहा भैया मत रोओ सिर दुखेगा

3) अब चपरासी कहता अब कचहरी में मिलना

(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :** **4**

1) ठुकरा देना ।
2) मोल लेना ।
3) भार होना ।
4) तिलिस्म टूटना ।
5) डोर हाथ में आना ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :

(मुँह मोड़ना, हाथ आना, लोट - पोट हो जाना,कानों में गूँजना, नाम - निशान न रहना)

1) बड़ी मुश्किल से अपराधी पुलिस की पकड़ में आया ।
2) नए जमाने के खेलों के आने से बहुत से पुराने खेलों का अस्तित्व ही मिट गया ।
3) बहुत दिनों पहले सुनी वह रसीली आवाज आज भी सुनाई - सी देती है ।
4) मित्र के चुटकुले सुनकर हमें बहुत प्रसन्नता हुई ।
5) पता नहीं, परिवार उसकी क्यों उपेक्षा करने लगा ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए : **10**

1) पेड़ की आत्मकथा ।
2) गरीबी एक अभिशाप।
3) यदि मैं समाज सेवक बनूँ ..... ।
4) मेरा प्रिय नेता ।

प्रश्न 6. (त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए : **4**

1) प्रेम / प्रतिमा वर्मा 4 / सी रूप दर्शन, रामपुर, थाना से स्वास्थ्य अधिकारी नगर परिषद, थाना को अपने मुहल्ले की गंदगी की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।
2) कमल / कमला पवार, 11 / स, शंकर भवन, रामनगर, औरंगाबाद से अपने प्रधानाध्यापक, तिलक विद्यालय, गणेश पथ, औरंगाबाद के नाम प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि मँगवाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए ।

आपको अपना घर किराये पर देना है - विज्ञापन देने के लिए विज्ञापनपत्र तैयार कीजिए ।

(थ) **निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है ।** **4**

रूपरेखा : एक कसाई – एक मुर्गी – सोने का अंडा – कसाई का अमीर हो जाना – शहरभर में चर्चा – इज्जत – उसका सोचना – एक साथ सब सोना पाने की लालसा – मुर्गी को मार डालना – लालच में सब सोने के अंडे को खो देना – सीख ।

(द) **निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :** **4**

विधाता ने हमें दशेंद्रिय दिए हैं । यह मानव को ईश्वर की बड़ी देन है। हमें ईश्वर ने दो आँखें, दो कान, दो हाथ, दो पैर और एक मुँह दिया है । इन इंद्रियों से ही मनुष्य सामर्थ्यशाली बना है । विधाता का हमें दो आँखें देने का मतलब यही है कि शत्रु और मित्र को देखने की हमारी दृष्टि समान हो । दो कान इसलिए दिए हैं कि एक कान से अच्छाई सुनें और दूसरे कान से बुराई छोड़ दें । दो हाथ इसलिए दिए हैं कि वह एक हाथ से ले और दूसरे हाथ से बाँटता रहे । दो पैर इसलिए दिए हैं कि हम कदम - कदम मिलाते हुए देश की ताकत बढ़ाएँ । विधाता ने हमें एक ही मुँह दिया है, इसका कारण क्या है? इसलिए कि वह एकवचनी हो, देने के लिए वचनबद्ध हो ।

Best Of Luck 👍

MT-114

2013 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - V

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

उ.1.	**अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1)	पंडित परमसुख ने रामू की माँ से कहा कि मुँह न मोड़ो **धार्मिक–क्रिया कर्म के लिए आवश्यक खर्चे से ।**	**1**
2)	पलाश का वैज्ञानिक नाम 'फ्रांडोसा' है **क्योंकि यह पूरी तरह पत्तों से ढँका होता है ।**	**1**
	आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :	
1)	उस गरम हुए **बरतन** को उनसे छुड़ा लें ।	**1**
2)	शीतल, मंद, सुगंध **वायु** चल रही थी ।	**1**
3)	अच्छे कर्मचारी की यही **परिभाषा** है ।	**1**
	इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)	धार्मिक पुरुषों ने सबसे पहले 'सत्यं वद' का आदेश दिया है ।	**1**
2)	कूर्मांचल को हिमालय का द्वार कहते हैं ।	**1**
3)	राजा फाँसी चढ़ने को तैयार हो गया क्योंकि महंत ने कहा था कि उस शुभ घड़ी में जो मरेगा वह सीधे स्वर्ग जाएगा ।	**1**
4)	मुख्यमंत्री जी के पाँच मिनट स्थानीय नेताओं की प्रशंसा में निकल गए ।	**1**
5)	प्रीति मोंगा के लिए हेलेन केलर आदर्श हैं क्योंकि उन्होंने दृष्टिहीनों के लिए पढ़ना - लिखना सुलभ कर दिया ।	**1**
	ई) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :	
1)	रिश्वतखोर फूड इन्स्पेक्टर सप्ताह में एक बार शहर के बाहर नाके पर खड़ा हो जाता और देहात से दूध लाने वाले ग्वालों के दूध में डिग्री लगाता था । यदि दूध में पानी की मिलावट पाई जाती है तो वह सैंपल की बोतल भरकर ग्वाले से अदालत में मिलने के लिए कहता है । तब ग्वाला उससे खुद को बचाने की प्रार्थना करता है । इस बात पर फूड इन्स्पेक्टर भी ग्वाले से दूध में पानी की मिलावट रूपी भ्रष्टाचार छोड़ देने की बात कहता है । यह सुनकर ग्वाला उसे अपनी प्रतिक्रिया देता है कि ''हुजूर, भ्रष्टाचार से तो गृहस्थी चलती है ।''	**2**

2) कल्लू बनिए की दीवार गिरने का आरोप कोतवाल पर साबित कर राजा ने उसे फाँसी देन का आदेश दिया । दुबले - पतले कोतवाल को छोड़ दिया गया क्योंकि फाँसी का फंदा उसके गले से बहुत बड़ा था । इसलिए सिपाहियों ने फाँसी देने के लिए गोवर्धनदास को पकड़ लिया । फाँसी देने के कुछ ही क्षणों पहले महंत जी ने वहाँ पहुँचकर बताया कि इस शुभ घड़ी में जो मरेगा, वह सीधे स्वर्ग जाएगा । गुरु - शिष्य दोनों फाँसी पर चढ़ने के लिए उतावले हो गए । यह देखकर मंत्री ने स्वर्ग जाने की इच्छा से कहा , 'तब तो हम फाँसी चढ़ेंगे' इसे सुनते ही गोवर्धनदास ने कहा कि नहीं फाँसी पर तो वही चढ़ेगा क्योंकि फाँसी का हुकुम सिर्फ उसे ही है । इस पर कोतवाल तुरंत बोल पड़ा, ''हम लटकेंगे ! हमारे सबब से तो दीवार गिरी ।'' **2**

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 - 70 शब्दों) में लिखिए :**

1) लेखक कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी ने 'आनंद का क्षण' पाठ में मान्यवरों के जीवन के कुछ घटना - प्रसंगों को स्पष्ट करते हुए बताया है कि जीवन में गंभीर बने रहने की अपेक्षा सहज ही में विनोद के प्रसंग निर्माण करके आनंदप्राप्ति का प्रयास करना चाहिए । **3**

व्यंग्य बुरी चीज है, इसलिए मुहावरे में उसे व्यंग्यबाण कहा जाता है लेकिन वह भी कभी-कभी हमारे जीवन को गुदगुदा देता है । विश्वविख्यात लेखक एच.जी.वेल्स की पुस्तक 'शेप ऑफ थिंग्स् टु कम' पढ़कर एक घमंडी अभिनेत्री ने उन्हें पत्र लिखा कि पुस्तक मुझे बहुत पसंद आई पर जनाब, यह तो बताइए कि यह आपने किससे लिखवाई थी ? पत्र पढ़कर वेल्स नाराज हो सकते थे, उसे फाड़कर फेंक सकते थे, पर नहीं । उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं किया । उन्होंने उसी की भाषा में जवाब दिया, ''आपको यह पुस्तक पसंद आई, धन्यवाद, पर यह तो बताइए कि यह पुस्तक आपको किसने पढ़कर सुनाई थी ?'' यानी अभिनेत्री के राय में वे लेखक नहीं थे पर लेखक की राय में तो वह अनपढ़ भी हैं और इस लायक भी नहीं हैं कि कोई पुस्तक बाँच सकें । जरा-सी सहिष्णुता और सरलता ने नाराजगी के क्षण को अपने लिए, उनके लिए और सबके लिए जीवन को गुदगुदाने वाला क्षण बना दिया और घमंड का सिर भी झुका दिया ।

इस प्रकार विश्वविख्यात लेखक एच. जी. वेल्स ने एक अभिनेत्री के घमंड का सिर झुका दिया ।

2) सुप्रसिद्ध लेखक 'धर्मवीर भारती' जी ने 'कूर्मांचल में कुछ दिन' नामक यात्रा - संस्मरण पाठ में हिमालय का द्वार समझे जाने वाले 'कूर्मांचल' के प्राकृतिक सौंदर्य का हृदयस्पर्शी वर्णन किया है । **3**

बँगले के लॉन में बैठे लोगों को एक चिड़िया की 'जुहो! जुहो! जुहो!' रट सुनाई दी । उसके बारे में लोगों की जिज्ञासा देखकर मैनेजर ने उस इलाके में प्रचलित एक लोककथा का वर्णन करते हुए बताया कि किसी जमाने में वहाँ के पहाड़ों में एक अत्यधिक सुंदर कन्या थी। अत्यधिक गरीबी के कारण पिता ने उसका विवाह मैदानी इलाकों में कर दिया । वर्षा तथा सर्दी के महीने तो लड़की ने ससुराल में किसी तरह काट लिए परंतु गर्मी आते ही वह तड़प उठी। उसने नैहर जाने की प्रार्थना की परंतु उसकी सास और ननद ने इससे इनकार कर दिया । लड़की का श्रृंगार, खाना - पीना सब छूट गया तब उसने सास से गिड़गिड़ाते हुए कहा,'जुहो ?(जाऊँ)' तो सास ने निष्ठुरता से कहा,'भोल जाला (कल सुबह जाना)।' इस तरह टालते - टालते कई दिन बीतते गए और चिलचिलाती कड़ी धूप में जानलेवा

	लू चलने लगी । लड़की ने अंतिम बार अनुमति माँगी तो सास ने फिर वही जवाब दोहराया । अंततः एक शाम उस लड़की ने एक पेड़ के नीचे अंतिम साँस ली । तबसे कूर्मांचल के जंगलों में एक चिड़िया दर्द भरे स्वर में बार- बार 'जुहो ? जुहो ? जुहो ?' बोलती है और फिर एक पक्षी का कर्कश स्वर सुनाई देता है- 'भोल जाला', जिसे सुनकर वह चिड़िया मौन हो जाती है । बँगले के मैनेजर ने वहाँ उपस्थित लोगों को कूर्मांचल की यह करुण लोककथा सुनाई ।	
3)	लेखक 'भारतेंदु हरिश्चंद्र' जी ने 'अंधेर नगरी' पाठ में 'मूर्ख राजा की मूर्ख प्रजा' रूपी अविवेकी वृत्ति से परिचित कराते हुए इससे बचे रहने की प्रेरणा दी है । अपने गुरु महंत की आज्ञा मिलने पर गोवर्धनदास अंधेर नगरी में पश्चिम की ओर भिक्षा माँगने के लिए चला जाता है । उस नगर में सभी चीजें एक ही भाव से बिकती हैं । भाजी और मिठाई टके सेर के भाव बिकती हैं । सारी चीजें इतनी सस्ती देखकर वह खाने - पीने की चीजें खरीदना चाहता है । वह खाने का बड़ा शौकीन है । मिठाइयाँ उसे बहुत पसंद है । इस नगर में तरह - तरह की मिठाइयाँ भी टके सेर के भाव मिलती है । उसे लगता है कि दूसरी जगह दिन भर माँगने पर भी पेट नहीं भरता है । यहाँ कम कीमत में ज्यादा मिठाइयाँ मिल जाती है । भिक्षा में गोवर्धनदास को सात पैसे मिलते हैं, जिससे वह आनंदित हो जाता है । उसके मन में यह विचार आता है कि इससे बेहतर जगह और कहीं नहीं मिलेगी । इस प्रकार गोवर्धनदास के मन में यह विचार आया कि रहने के लिए अंधेर नगरी ही सबसे अच्छी जगह है ।	**3**
4)	लेखक 'राजेंद्र श्रीवास्तव' जी ने 'संपन्नता' पाठ में विनायक बाबू के परिवार के माध्यम से वास्तविक संपन्नता को परिभाषित किया है । यह संसार धन की संपन्नता को ही संपन्नता मानता है जबकि यह सच आधा सच है । पूरा सच यह है कि सिर्फ धन से ही संपन्नता नहीं होती है । संस्कारों की, विचारों की, हिम्मत और हौंसले की भी संपन्नता होती है । धन की विपन्नता से मुक्ति पाई जा सकती है परंतु संस्कार, विचार, हिम्मत और हौंसले की विपन्नता से कभी मुक्ति नहीं मिलती । विनायक बाबू अपने बड़े साहब के बँगले में ऐसी ही खोखली संपन्नता को देखते हैं, जहाँ ड्राइंग रुम में कीमती वस्तुओं का अंबार लगा है । परिवार के सभी सदस्यों के लिए, सभी अत्याधुनिक सुख - सुविधाएँ उनके एक इशारे पर उपलब्ध है । इसके बावजूद साहब का बड़ा बेटा नशे में धुत - ओछी हरकतें करता हुआ पाया जाता है । टीना बेबी की मँगनी उसकी इक्सवीं वर्ष गाँठ के दिन किसी 'मजबूरी' के कारण की जा रही है । ऐसे संपन्न बड़े साहब के बँगले में चारों तरफ विपन्नता का ही बोलबाला है । दूसरी तरफ विनायक बाबू का अभावग्रस्त परिवार है परंतु वहाँ मानवता, प्रेम, संस्कार, स्वाभिमान और शांति की महक है । इस प्रकार जीवन मूल्य आदर्श और संस्कारों की बहुलता (अधिकता) को ही 'सच्ची संपन्नता' कहते हैं ।	**3**

5)	'सफलता की चुनौतियाँ' पाठ में प्रीति मोंगा के साक्षात्कार द्‌वारा शारीरिक कमजोरी पर विजय पाकर जिंदगी में कामयाबी के प्रति नए दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया गया है । प्रीति मोंगा जी आठवीं कक्षा तक पहुँचते हुए पूरी तरह नेत्रहीन हो गई थी । इस बीमारी ने उन्हें हताश और निराश कर दिया था । उन्हें लगने लगा था कि अब उनसे जीवन की सारी खुशियाँ हमेशा के लिए रूठ गई है । प्रीति जी के माता - पिता भी अपनी बेटी पर आए इस संकट से दुखी थे । किसी अंध - विद्‌यालय में भी प्रीति जी को दाखिला न मिल सका । ऐसी हालत में प्रीति जी का निराश हो जाना स्वाभाविक था । प्रीति जी की दृष्टिहीनता ने उनके पिताजी को भावनात्मक रूप से अत्यधिक कमजोर कर दिया । वे अपनी बेटी के अंधेपन के प्रति बहुत अधिक संवेदनशील हो गए । इससे वे सतत चिंतित और तनाव ग्रस्त रहने लगे । परिणामस्वरूप उन्हें दिल का दौरा पड़ा लेकिन अपनी बेटी को सीखाते रहने की उनकी कोशिशें नहीं थमी । उनके अनवरत प्रयासों का ही परिणाम था कि प्रीति जी का जीवन निष्क्रिय होने से बच गया । परिवार की सतत प्रेरणाओं के कारण ही प्रीति जी आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बन अपने पैरों पर खड़ी हो पाई । इस प्रकार घर की प्रेरक परिस्थितियों ने प्रीति जी को निष्क्रिय होने से बचा लिया ।	**3**
	ऊ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	'टके सेर भाजी, टके सेर खाजा' से यह अर्थबोध होता है कि उस नगर में अर्थव्यवस्था चरमरा गई है और अनुशासन, कानून - व्यवस्था का पूरी तरह से अभाव है ।	**1**
2)	महंत अंधेर नगरी में क्षणभर के लिए भी रहना नहीं चाहता था क्योंकि वहाँ चारों तरफ आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक अव्यवस्था थी ।	**1**
3)	गोवर्धनदास अंधेर नगरी छोड़कर जाने को तैयार नहीं था क्योंकि वहाँ उसे बिना माँगे ही भरपेट स्वादिष्ट भोजन मिल रहा था ।	**1**
उ.**2.**	**क) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए ।**	
1)	प्यार तुझे करने वाले ही देखेंगे तुझको **हँस - हँस** कर ।	**1**
2)	गुण ही जन - मन **किरीट** , ताज हो ।	**1**
3)	बात इतनी है कि कोई **पुल** बना है ।	**1**
	ख) निम्नलिखित दिए गए प्रश्नों के उत्तर पठित कविताओं के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	दान देने से मनुष्य की संपत्ति घटती नहीं है ।	**1**
2)	देश की माँग खून से रंगा गुलाब अर्थात देश के लिए कुरबानी है ।	**1**
3)	घाट पर पूरी व्यवस्था शौक से डूबने के लिए है ।	**1**

	ग) निम्नलिखित दिए गए पठित पद्यांश के आधारपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	जीवन का वास्तविक उद्देश्य निरंतर चलते रहना है ।	**1**
2)	रुक जाना मृत्यु के समान है ।	**1**
3)	गतिशीलता का प्रतीक निर्झर है ।	**1**
	घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए ।	
	भावार्थ : कवि देश के साहसी बालकों को प्रेरित करते हुए कहते हैं कि देश में फैले अत्याचार, शोषण, भ्रष्टाचार और अन्याय रूपी अंधेरे को मिटाना होगा । इस अंधकार को मिटाकर न्याय, सच्चाई, सदाचार और ईमानदारी रूपी आदर्शों का उजाला देश - में फैलाना होगा । देशहित के प्रेरक कार्य रूपी आदर्श भावी पीढ़ी को प्रदान करने की जिम्मेदारी अब तुम्हारी ही है । अपने सदाचार और नैतिकता के बलपर देश के वर्तमान को उन्नति की नई दिशा की ओर बढ़ते रहने दो ।	**3**
	ड़) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :	
1)	सुप्रसिद्ध कवि 'सूरदास' जी ने 'सूरदास के पद' कविता में ब्रज की नारियों द्वारा माँ यशोदा से बालक कृष्ण की शिकायत मक्खन चुराने की शिकायत करने तथा बालक कृष्ण द्वारा चंद्र खिलौना पाने का हठ करने पर माँ यशोदा द्वारा कृष्ण को बहलाने का सुंदर सजीव चित्रण किया है । यशोदा के लाल कृष्ण दिन में दोपहर के समय गोरस (दूध-दही–मक्खन) ढूँढ़ते - ढूँढ़ते ब्रज की नारियों के घर पहुँच जाते हैं तथा सूने घर का दरवाजा खोलकर घर के भीतर घुस जाते हैं । वे छींके से मक्खन निकाल कर खुद खाते हैं, अपने ग्वाल साथियों को खिलाते हैं और कुछ मक्खन नीचे भी गिरा देते हैं । इस तरह कृष्ण हर रोज गोरस (दूध-दही–मक्खन) का नुकसान करते हैं । उनके इस व्यवहार से ब्रज की नारियाँ परेशान हो जाती हैं । ब्रज की नारियाँ यशोदा के लाल कृष्ण के द्वारा हर रोज दूध-दही के नुकसान करने के व्यवहार से परेशान हैं ।	**3**
2)	कवि 'आरसीप्रसाद सिंह' जी ने 'जीवन का झरना' कविता में मनुष्य को झरने के माध्यम से जीवन में लगातार चलते रहने की प्रेरणा दी है । झरने की तुलना जीवन से करते हुए कवि ने स्पष्ट किया है कि गतिशील रहना ही जीवन है और रुक जाना मौत । झरने का उद्गम पहाड़ से होता है । उसकी जल-धाराएँ अपनी अवरोधक चट्टानों से संघर्ष करती आगे बढ़ती हैं और मैदानों में उतर जाती हैं । लगातार बहते रहना ही उसका जीवन है । यही झरने के जीवन की सार्थकता है । जिस दिन उसका बहना रुक जाएगा, उस दिन उसके जीवन का अंत हो जाएगा । निर्झर के जीवन का सत्य ही संपूर्ण जीवन का सत्य है । निरंतर आगे बढ़ना ही जीवन की पहचान है । आगे बढ़ने में ही जीवन की सफलता है । आगे बढ़ते हुए राह में आनेवाली बाधाओं का पूरी दृढ़ता के साथ सामना करते रहने में ही जीवन की	**3**

	सार्थकता है । आगे बढ़नेवाले को ही समाज में मान-सम्मान मिलता है । इस प्रकार 'निर्झर में गति ही जीवन' पंक्ति द्‌वारा कवि ने जीवन के इस सत्य को स्पष्ट किया है कि गतिशीलता ही जीवन की पहचान है और रुक जाना मौत ।	
3)	कवि 'सर्वेश्वरदयाल सक्सेना' जी ने 'मेघ आए' कविता में बादलों के आगमन पर प्रकृति में होनेवाले परिवर्तन का मनोहारी सजीव चित्रण किया है । भारतीय रीति - रिवाजों के अनुसार जब कोई मेहमान सज - सँवरकर खूब ठाट - बाट के साथ गाँव में प्रवेश करता है, तो उस पाहुन (मेहमान) को देखने की जिज्ञासा से गाँव के सभी लोग गर्दन उचका - उचकाकर झाँकने लगते हैं । वे जानने के लिए उत्सुक होते हैं कि यह मेहमान कौन है ? कहाँ से आया है ? मेहमान के आने की सूचना देने के लिए गाँव की छोटी लड़कियाँ घाघरा उठाए दौड़ पड़ती हैं और गाँव की स्त्रियाँ भी उत्सुकता वश अपने घुँघट को सरकाकर तिरछी चितवन से पाहुन को देखने लगती हैं । गाँव के बड़े - बूढ़े भी आगे बढ़कर मेहमान का अभिवादन - स्वागत करने में जुट जाते हैं । लोग परात भरकर पानी ले आते हैं और पाहुन के पैर पखारने (धोने) लगते हैं । इस प्रकार कविता में अतिथि के आनेपर गाँव में प्रचलित रीति - रिवाजों का सजीव चित्रण किया गया है ।	**3**
उ.3.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए :**	
1)	सुप्रसिद्‌ध लेखक 'हरिशंकर परसाई' जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में अमीरी और गरीबी में अंतर को अपने हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है । लेखक के अनुसार ऐसा व्यक्ति जो कई वर्षों से चंदा माँगने वालों का सामना कर रहा हो, यदि उसके पास कोई भी चंदा माँगने जाए तो वह तुरंत पहचान लेगा कि ये चंदा माँगने वाले लोग हैं । ठीक इसी तरह चंदा माँगने वाले अनुभवी भी उसे फौरन पहचान लेते हैं । चंदा लेने और देने वालों को एक - दूसरे के हाव - भाव और रंग - ढंग की बखूबी जानकारी होती हैं । इसके बावजूद चंदा लेने और देने वाले अपनी जिम्मेदारी अवश्य निभाते हैं । लेखक अपनी आप बीती बताते हुए कहते हैं कि उन्हें भी अक्सर किसी - न - किसी के यहाँ चंदा माँगने जाना ही पड़ता था । इस बार वे सज्जन के यहाँ चंदा माँगने गए जो चंदा न देने का अभ्यासी था । अत: दोनों एक - दूसरे के मन भावों से परिचित थे । वे सज्जन भी शायद समझ गए थे कि लेखक बिना चंदा लिए टल जाएगा और लेखक भी समझ गए कि उन सज्जन से चंदा मिलना असंभव है । इस प्रकार चंदा माँगने वाले और देने वाले एक - दूसरे को अपने अनुभवों के आधार पर पहचान लेते हैं ।	**4**
2)	सुप्रसिद्‌ध लेखिका गौरा पंत 'शिवानी' जी ने 'गंगा बाबू हैं कौन ?' पाठ में एक ऐसे व्यक्तित्व का वर्णन किया है जो अनेकानेक संस्मरणों का जीता - जागता शब्दकोश है । लक्खी सराय का बालिका विद्‌यापीठ किऊल रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित था । विद्‌यापीठ जाने के लिए उस जनहीन बीहड़ स्टेशन पर उतरकर मोटर मार्ग द्‌वारा जाना पड़ता है ।	**4**

	किऊल से लक्खी सराय का मोटर मार्ग भी निरापद नहीं है । यहाँ आए दिन डाके पड़ते ही रहते हैं । इसलिए विद्यापीठ की बालिकाओं की विदाई के अवसर पर आमंत्रित करते समय लेखिका को अनुरोध किया गया कि यात्रा कठिन अवश्य है, संभवत: आपको कष्ट भी होगा किंतु चिंता की कोई बात नहीं है । कुछ सहयोगी कार लेकर किऊल सटेशन पर उपस्थित रहेंगे । लक्खी सराय का बालिका विद्यापीठ प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की प्रिय शिक्षण - संस्था रही है । यहाँ की बालिकाएँ शिक्षा पूर्ण के बाद जब विदा लेती हैं, तो उन्हें उसी स्नेह और आत्मीयता से विदा किया जाता है, जैसे पुत्री को मायके से विदा किया जाता है । बालिकाओं के विदाई कार्यक्रम पर अक्सर किसी प्रसिद्ध साहित्यकार को अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया जाता है । गत वर्ष महादेवी जी पधारी थीं । उनके हाथ का लगा वृक्ष जिस अहाते में है, इस वर्ष विदा हो रही बालिकाओं की हार्दिक इच्छा थी कि उसी वृक्ष के पास में लेखिका के हाथों से लगा वृक्ष भी लहलहाएँ । इस प्रकार लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ की संक्षिप्त जानकारी दी गई है ।	
3)	लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है । आयुर्वेद में तुलसी के पौधे का बड़ा महत्त्व है । यह मनुष्य के जीवन के लिए बहुत ही गुणकारी है। खाँसी, जुकाम गले की बीमारियों तथा मलेरिया आदि में उबले पानी या चाय के साथ इसका सेवन लाभकारी है । यह वातावरण के वायु को शुद्ध रखती है । मच्छर तथा कीट - पतंगों को दूर भगाती है । इसकी सुगंध अनेक रोगों के कीटाणुओं को भी नष्ट कर देती है । इसलिए गंदे स्थानों या कीटाणुओं वाली जगहों से लौटने पर तुलसी की पत्ती दाँतों से खूब चबाई जाती है । वैज्ञानिकों के अनुसार तुलसी की सुगंध रोगाणुनाशी तथा संक्रमण विरोधी होती है । दिल्ली के एक वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार तुलसी से जो तैलीय पदार्थ निकलता है, वह टी. बी. (यक्षमा) रोग का नाश कर डालता है । इस प्रकार तुलसी के अनेक औषधीय गुण हैं ।	**4**
4)	लेखक 'प्रवीण कारखानीस' जी ने 'थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी' पाठ में वनसंपदा की खान भूटान के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया है । थिंफू भूटान की राजधानी है । भूटान का राज्य-संचालन थिंफू के झाँग से किया जाता है । रॉयल एडवाइजरी काऊंसिल भूटान नरेश को राज-काज में सलाह देते हैं । काऊंसिल में कुल आठ सदस्य होते हैं । राष्ट्रीय विधान सभा की बैठक झाँग में ही होती है । विधानसभा में कुल 150 सदस्य होते हैं, जिनमें से एक सौ बीस जनप्रतिनिधि होते हैं । बीस सदस्यों की नियुक्ति शासन द्वारा की जाती है और दस सदस्य धर्मपीठ के सदस्य होते हैं । थिंफू का झाँग भी एक दर्शनीय स्थल बन गया है । इस प्रकार थिंफू का राज्य-संचालन एडवाइजरी काऊंसिल तथा विधान सभा के सदस्यों द्वारा किया जाता है । **अथवा**	**4**

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :

1) लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है । **8**

भारतवासियों को जिन चीजों से लाभ होता है, वे उनकी पूजा करना नहीं भूलते । यही कारण है कि भारत के अधिकांश घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है । स्त्रियाँ तुलसी का विवाह भी रचाती हैं । ईसाई धर्म के लोग भी तुलसी को पवित्र मानते हैं । इटली और ग्रीस के लोगों को तुलसी के गुणों की जानकारी पहले से है । संत बेसिल दिवस पर स्त्रियाँ तुलसी की डालियाँ गिरजाघर में ले जाती है और घर वापस आने पर उन टहनियों को फर्श पर बिखेर देती हैं । जिससे आने वाला वर्ष लाभकारी हो । तुलसी के 'बेसिल, सेक्रेट बेसिल','बसिलिकोन','ओसिमम सैक्टम तथा 'ल पलांति रोयली' आदि अनेक नाम हैं । भारतवासी खाँसी, सर्दी, जुकाम गले की बीमारियों तथा मलेरिया जैसे रोगों में तुलसी के पत्तों का गर्म पानी या चाय के रूप में उपयोग करते हैं । इसकी मंजरी का उपयोग भी बीमारियों में किया जाता है । इसकी तेज सुगंध कीटाणुओं को नष्ट कर देती है । इससे कीट - पतंगे और मच्छर दूर भाग जाते हैं ।

वैज्ञानिकों के अनुसार तुलसी रोगाणुओं तथा संक्रमण को रोकती है । कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली के एक वैज्ञानिक अनुसंधान ने खोज कर बताया कि तुलसी के तैलीय पदार्थ से टी. बी. (यक्षमा) जैसे रोगों का नाश हो जाता है । भारतवासी धार्मिक कार्यों में भी तुलसी के पत्ते का प्रयोग करते हैं । चरणामृत तथा देवताओं को चढ़ाए जानेवाले जल में भी तुलसी का पत्ता अवश्य डालते हैं । अभी इस क्षेत्र में वैज्ञानिकों द्वारा और भी अनुसंधान की जरूरत है ।

2) तेरह वर्षीय धनंजय महाराष्ट्र के वाशिम जिले के असोला गाँव का निवासी है। वह अपनी माँ का आज्ञाकारी पुत्र है। 20 अगस्त, 2002 के दिन वह अपनी माँ के साथ गाँव की नदी पर पूजा करने गया था। पड़ोस की अन्य पाँच महिलाएँ भी उनके साथ नदी पर नहाने और पूजा करने आई थीं। नहाते-नहाते वे पाँचों महिलाएँ एक भारी भँवर में फँस गईं। उनकी चीख पुकार सुनते ही धनंजय तुरंत उन्हें बचाने नदी में कूद पड़ा और इसी तरह एक डूबती हुई महिला को बचाकर किनारे खींच लाया। इसी तरह वह एक - एक कर शेष चारों महिलाओं को भी बचाने में कामयाब हो गया। **8**

चिन्मय और चारु भाई-बहन है । 10 अप्रैल, 2012 को अपनी माँ नेहा शर्मा के साथ लोकल ट्रेन से यात्रा कर रहे इन मासूम बच्चों ने ऐसा अनोखा कारनामा कर दिखाया, जिसे सुनकर लोग दाँतों तले उँगलियाँ दबाने लगे । वे जिस डिब्बे में सवार थे, उसमें दो बदमाश घुस आए ज्यों - ही गाड़ी चली उनमें से एक बदमाश ने साठ वर्षीय महिला यात्री का हैंडबैग छीन लिया । हाथ में चाकू लिए दूसरे बदमाश ने चारु और चिन्मय की माँ का हैंडबैग छीन लिया । गुस्से में आकर चारु ने झपटकर बदमाश के हाथ से बैग छीन लिया । इसपर बदमाश ने चारु के बाल पकड़कर उसे दरवाजे की तरफ धकेल दिया । इतने में पीछे से आकर चिन्मय ने उस बदमाश के बाल खींचे और अपने पैने दाँतों से उसे काट खाया । बदमाश के हाथ से चाकू छूट गया । चिन्मय ने बिना एक पल गँवाए चलती ट्रेन से चाकू बाहर फेंक दिया। दूसरे बदमाश ने

बौखलाकर चिन्मय को सीट के नीचे धकेल दिया । फिर भी दोनों बच्चे बहादुरी से बदमाशों का मुकाबला करते रहे। इसी दौरान बदमाश के हाथ से वृद्ध महिला यात्री का बैग छूट गया जिसे चिन्मय ने लपक लिया। यह देखकर बदमाश घबरा गए और अगला स्टेशन आते ही दोनों ट्रेन से कूदकर भाग खड़े हो हुए।

इस प्रकार धनंजय और चारु - चिन्मय इन बहादुर बच्चों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

उ. 4. च) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1) इन लोगों के **बीच** हूँ मैं ! **1**

2) **हाँ**, तुम गलत काम करते हो । **1**

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :

1) वह - सर्वनाम **1**

2) वाह ! - अव्यय **1**

ज) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :

1) बहुत से नेता आए हैं । **1**

2) वह रोते हुए कहेगा । **1**

झ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :

1) दिया (देना) सहायक क्रिया । **1**

2) गया (जाना) सहायक क्रिया । **1**

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) वाक्य :- वे अब मेरा मुँह नहीं देखना चाहते । **1**

2) वाक्य :- मेरे मुँह मत लगा करो । **1**

ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :

	मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया	
1)	धोना	धुलाना	धुलवाना	**1**
2)	रीझना	रिझाना	रिझवाना	**1**

अथवा

	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :	
1)	कराया - प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया ।	**1**
2)	लिखवाया - द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रिया ।	**1**
	ठ) निम्नलिखित अशुद्‌ध वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों को शुद्‌ध करके लिखिए :	
1)	उसने अपनी बात <u>ऊँची</u> आवाज में <u>कही</u> ।	**1**
2)	पलाश को मैदानों में बड़ी संख्या में देखा जा <u>सकता है</u> ।	**1**
3)	<u>मेरा</u> कुछ कसूर <u>नहीं</u> है ।	**1**
	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्‌नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :	
1)	किसी ने कहा,'' जब कष्ट हो रहा था, तो आप रूके क्यों नहीं ?''	**1**
2)	मैंने कहा,''भैया, मत रोओ, सिर दुखेगा ।''	**1**
3)	अब चपरासी कहता,''अब कचहरी में मिलना ।''	**1**
	(ड) निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :	
1)	**ठुकरा देना** – इनकार करना ।	**1**
	वाक्य : आंदोलनकारियों की माँग को सरकार ने **<u>ठुकरा दिया</u>** ।	
2)	**मोल लेना –** दाम देकर खरीदना ।	**1**
	वाक्य : राकेश ने कुछ दिनों पहले ही एक भैंस **<u>मोल ली थी</u>** ।	
3)	**भार होना –** बोझ होना ।	**1**
	वाक्य : आज की युवा पीढ़ी पर देश की कानून व्यवस्था को बनाए रखने का **<u>भार है</u>** ।	
4)	**तिलिस्म टूटना –** वास्तविकता सामने आना ।	**1**
	वाक्य : नेताजी की सच्चाई लोगों के सामने आते ही उनका **<u>तिलिस्म टूट गया</u>** ।	
5)	**डोर हाथ में आना –** किसी चीज पर अधिकार हो जाना ।	**1**
	वाक्य : पुलिस को सबूत मिलते ही बैंक डकैती की **<u>डोर हाथ में आ गई</u>** ।	
	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्टक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्‌ध वाक्य फिर से लिखिए :	
1)	बड़ी मुश्किल से अपराधी पुलिस के **<u>हाथ आया ।</u>**	**1**
2)	नए जमाने के खेलों के आने से बहुत से पुराने खेलों का **<u>नाम - निशान ही नहीं रहा ।</u>**	**1**
3)	बहुत दिनों पहले सुनी वह रसीली आवाज आज भी **<u>कानों में गूँज रही है ।</u>**	**1**

4)	मित्र के चुटकुले सुनकर **हम लोट - पोट हो गए ।**	**1**
5)	पता नहीं, परिवार ने उससे क्यों **मुँह मोड़ लिया ।**	**1**
उ. **5.**	**निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.104 - Q.9	**10**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.121 - Q.26	**10**
3)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.137 - Q.43	**10**
4)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.134 - Q.40	**10**
उ. **6.**	**(त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से किसी एक पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 187 - Q.4	**4**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 195 -Q.12	**4**
	(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है ।	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 204 - Q.9	**4**
	(द) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 81 - Q.4	**4**

❐❐❐❐❐